ज्योतित हो जन-जन का जीवन

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

संस्थान परिचय

KHS : An Introduction

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

KENDRIYA HINDI SANSTHAN, AGRA

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (उच्चतर शिक्षा विभाग) के अंतर्गत स्वायत्त संगठन
केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित शैक्षिक संस्था

An Educational Institute run by Autonomous Organization
KENDRIYA HINDI SHIKSHAN MANDAL under the Ministry of Education, Government of India (Department of Higher Education)

परिचय

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 1961 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन **केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल** द्वारा संचालित अखिल भारतीय स्तर की एक स्वायत्तशासी शैक्षिक संस्था है।

संस्थान का **मुख्यालय आगरा** में स्थित है। इसके **08 क्षेत्रीय केंद्र - दिल्ली (स्थापना 1970), हैदराबाद (स्थापना 1976), गुवाहाटी (स्थापना 1978), शिलांग (स्थापना 1987), मैसूर (स्थापना 1988), दीमापुर (स्थापना 2003), भुवनेश्वर (स्थापना 2003),** तथा **अहमदाबाद (स्थापना 2006)** में सक्रिय हैं।

हिंदी भारत की एकता एवं अखंडता की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विद्यमान है। आधुनिक भारत के लिए राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ा मूल्य है, जो केंद्रीय हिंदी संस्थान के हर कार्यक्रम के मूल में विद्यमान है। इन तथ्यों को ध्यान में रखकर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के 'संस्था ज्ञापन' (मेमोरेंडम ऑफ़ एसोसिएशन) में कुछ संकल्प एवं कार्य निर्धारित किए हैं जिनका विवरण इस प्रकार हैं-

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उद्देश्य

(i) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुपालन में अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तुत, संचालित एवं उपलब्ध कराना जो इस भाषा के विकास और प्रसार की दृष्टि से उपयोगी हों।

(ii) विभिन्न स्तरों पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता सुधारना, हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, हिंदी भाषा और साहित्य के उच्चतर अध्ययन का प्रबंध करना तथा हिंदी के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना और हिंदी भाषा एवं शिक्षण विषयक विविध अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना।

Introduction

Central Institute of Hindi i.e. Kendriya Hindi Sansthan is an autonomous educational institute governed by an autonomous organization **Kendriya Hindi Shikshan Mandal,** established in 1961 by the Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India.

The **Headquarter** of Sansthan is situated at **Agra.** It has **08 Regional Centres: Delhi (1970), Hyderabad (1976), Guwahati (1978), Shillong (1987), Mysore (1988), Dimapur (2003), Bhubaneswar (2003)** and **Ahmedabad (2006)** established respectively.

Hindi works as a vital link for National integration of India. The Institute imbibes this characteristic of Hindi in all its activities. The Institute has been oriented to realize this goal through its various disciplines and the programmes organized there. In this background the institute has put some objectives in its Memorandum of Association. These objectives can be enshrined as following-

Objectives of KHSM

(i) To realize the constitutional obligation mentioned in section 351, the Institute works for the development of Hindi as an all India Language and make an attempt to prepare, organize and implement such types of the courses which can help to attain this broad objective.

(ii) To improve the standards of teaching Hindi at various levels, to train Hindi teachers, to provide avenues for the advanced study of Hindi language and literature and Comparative Linguistics related to different Indian languages, to organize research in the teaching of the subject, to formulate, undertake and facilitate such courses.

(iii) विद्यार्थियों को रहने के लिए छात्रावासों का निर्माण, निरीक्षण एवं नियंत्रण करना।

(iv) अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की परीक्षा लेना तथा उपाधि प्रदान करना।

(v) हिंदी शिक्षण एवं अधिगम हेतु उपयुक्त विभिन्न स्तर की पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ और अनुसंधानपरक पुस्तकें तैयार करना और उनका प्रकाशन एवं वितरण करना।

(vi) संस्थान के उद्देश्यों के अनुपालन में आवश्यकतानुसार पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन कराना।

(vii) संस्थान की प्रकृति एवं उद्देश्यों के अनुरूप अन्य उन संस्थाओं के साथ जुड़ना या सदस्यता ग्रहण करना या सहयोग करना या सम्मिलित होना जिनके उद्देश्य संस्थान के उद्देश्यों से मिलते-जुलते हों।

(viii) समय-समय पर नियमानुसार अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार/सम्मान और पदक की स्थापना कर हिंदी से संबंधित कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि।

संस्थान की गतिविधियाँ

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपर्युक्त संकल्पों, उद्देश्यों एवं कार्यों को संपन्न करने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने अपनी गतिविधियों का निरंतर विस्तार किया है।

इनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

1.शिक्षणपरक कार्यक्रम

(क) विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी शिक्षण

भारत सरकार की (विदेशों में) हिंदी प्रचार-प्रसार योजना एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत चुने गये विदेशी छात्रों के लिए मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

(i) हिंदी भाषा दक्षता प्रमाण पत्र - 100

(ii) हिंदी भाषा दक्षता डिप्लोमा - 200

(iii) हिंदी भाषा दक्षता उच्च डिप्लोमा - 300

(iv) स्नातकोत्तर हिंदी डिप्लोमा - 400

दिल्ली केंद्र के अंतर्गत उपर्युक्त पाठ्यक्रमों (1 से 3 तक) का संचालन स्ववित्त पाठ्यक्रम योजना के अंतर्गत किया जाता है।

ये पाठ्यक्रम स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (पूर्व नाम: आईसीसी) के माध्यम से श्रीलंका में भी संचालित किए जाते हैं।

(ख) सांध्यकालीन पाठ्यक्रम (स्व-वित्तपोषित)

संस्थान के मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

(i) परा-स्नातकोत्तर अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा

(ii) स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

(iii) स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा

(iii) To establish, supervise and control hostels for the residence of the students.

(iv) To hold examinations and grant diploma for various courses.

(v) To prepare suitable text books, reference books and research oriented books for different levels of Hindi Teaching and learning and make them accessible after their printing and publication.

(vi) To publish journals and magazines according to the goals of the Institute.

(vii) To subscribe or become member or to cooperate with other associations with the Institutes working with similar objectives or to extend them affiliation, if required.

(viii) By time to time, promoting the application of Hindi according to the given rules by providing Fellowships, Scholarships, Awards and Medals.

Activities of the Institute

In order to realize the above mentioned goals and objectives Central Institute of Hindi has continuously expanded its activities.

The details of these activities are as follows-

1. Teaching-related Courses

(A) Hindi Teaching for Foreign Students

The Head Quarter, Agra and Delhi Centre organize following courses for the foreign students under the scheme for Propagation of Hindi Abroad-

(i) Hindi Language Proficiency Certificate - 100

(ii) Hindi Language Proficiency Diploma - 200

(iii) Hindi Language Advanced Diploma - 300

(iv) Post Graduate Hindi Diploma - 400

The courses (i) to (iii) are conducted at Delhi Centre under self-finance scheme.

These courses are also being run in Sri Lanka through Swami Vivekanand Cultural Centre (formerly known as ICC).

(B) Evening Courses (Self-Financed)

The Head Quarter and at its Delhi Centre the following courses have been organized -

(i) Post M.A. Diploma in Applied Linguistics

(ii) PG Diploma in Translation Theory and Practice

(iii) PG Diploma in Mass com. and Journalism

2. हिंदी शिक्षक-प्रशिक्षण परक कार्यक्रम

(क) हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के हिंदी शिक्षकों और हिंदी सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए मुख्यालय के **अध्यापक शिक्षा विभाग** के अंतर्गत निम्नलिखित नियमित द्विवर्षीय (i,ii एवं iii) प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं -

(i) **हिंदी शिक्षण निष्णात**- एम.एड. स्तरीय (आगरा)

(ii) **हिंदी शिक्षण पारंगत**- बी.एड. स्तरीय (आगरा)

(iii) **हिंदी शिक्षण प्रवीण**- बी.टी.सी./डी.एल.एड. स्तरीय (आगरा, दीमापुर)

(iv) **त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा**- 'हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान', दीमापुर (नागालैंड) में त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम और द्वितीय वर्ष का अध्ययन पूरा करने के बाद तृतीय वर्ष का शिक्षण कार्य केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा में कराया जाता है।

(v) **विशेष गहन हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (दीमापुर)** - यह एकवर्षीय पाठ्यक्रम भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के अप्रशिक्षित हिंदी अध्यापकों के लिए है।

(ख) दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम (स्ववित्तपोषित)

हिंदीतर भाषी राज्यों के सेवारत हिंदी अध्यापकों के लिए दूरस्थ अध्यापक शिक्षा विभाग के अंतर्गत दो वर्ष की अवधि का हिंदी शिक्षण पारंगत (पत्राचार-सह-संपर्क पाठ्यक्रम) का संचालन मुख्यालय आगरा से किया जाता है।

3. नवीकरण एवं संवर्द्धनात्मक कार्यक्रम

हिंतर राज्यों के अध्यापकों के लिए केंद्रों द्वारा नवीकरण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसका मार्गदर्शन नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग तथा शैक्षणिक समन्वयक कार्यालय करता है।

नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग गुजरात, कर्नाटक, असम, मिजोरम और मणिपुर राज्य के हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालयों के छात्रों के लिए 30 दिवसीय भाषा संवर्द्धनात्मक कार्यक्रम तथा सिक्किम राज्य के लिए 21 दिवसीय नवीकरण कार्यक्रम आगरा में चलाता है। राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त अध्यापक निम्नलिखित विवरण के अनुसार संस्थान के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में नवीकरण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं-

- **दिल्ली केंद्र-** पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल (आदिवासी क्षेत्र) राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **हैदराबाद केंद्र-** आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र एवं केंद्र शासित पांडिचेरी एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **गुवाहाटी केंद्र-** असम, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम के हिंदी अध्यापकों के लिए

2. Hindi Teacher Training Programmes

(A) Teacher Training Programmes for the students of Non Hindi States

The Department of Teacher Education at Headquarter as well as at its regional centres conducts the following two Years Training Programmes (I, ii & iii) for Hindi Teachers and interested students of Non-Hindi States. The courses are as follows:

(i) **Hindi Shikshan Nishnat -** Equivalent to M.Ed. (Agra)

(ii) **Hindi Shikshan Parangat -** Equivalent to B.Ed. (Agra)

(iii) **Hindi Shikshan Praveen -** Equivalent to B.T.C./ D.El.Ed. (Dimapur Centre)

(iv) **Three year Hindi Teaching Diploma course -** This course is organized for starting two years in Dimapur (Nagaland) but the final year students compulsorily visit and stay at Agra Headquarter to complete the aforesaid diploma.

(v) **Intensive Hindi Teaching Training Course (Dimapur) -** This one year course is designed for the untrained Hindi Teachers of North-East states.

(B) Distance Teaching Programmes (Self-Financed)

This programme is conducted for the period of two years for the In-service Hindi teachers of Non-Hindi speaking states. This is organized by the Department of Distance Teacher Education at the Headquarter, Agra.

3. Refresher and Enrichment Programmes

The Institute runs refresher programmes for the teachers of Non-Hindi states in the guidance of Dept. of Orientation and Extension Programmes and Academic Co-coordinator's office at the Headquarter.

The Dept. of Orientation and Extension Programmes at the Headquarter organizes 30 days language enrichment programme for the students of Government Hindi Teachers Training colleges of Gujrat, Karnataka, Assam, Mizoram and Manipur. The Dept. also runs 21 days orientation programme for Sikkim state in Agra. KHS regional centres conduct orientation programmes for the teachers deputed by the State Govt. The details are as follows-

Delhi Centre- For theHindi Teachers of Punjab, J&K and Himachal Pradesh (Tribal Region)

Hyderabad Centre- For the Hindi Teachers of Andhra Pradesh, Tailangana, Tamil Nadu, Goa, Maharashtra, U.T.s of Pudducherry and Andman & Nicobar Island.

Guwahati Centre- For the Hindi Teachers of Assam, Arunachal Pradesh and Sikkim.

- **शिलांग केंद्र-** मेघालय एवं मिजोरम के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **मैसूर केंद्र-** कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित लक्षद्वीप के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **दीमापुर केंद्र-** नागालैंड और मणिपुर के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **भुवनेश्वर केंद्र-** उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **अहमदाबाद केंद्र-** गुजरात, दमन दीव तथा दादर और नागर हवेली के हिंदी अध्यापकों के लिए

Shillong Centre- For the Hindi Teachers of Meghalaya and Mizoram

Mysore Centre- For the Hindi Teachers of Karnataka, Kerala and L/T of Lakshadweep

Dimapur Centre- For the Hindi Teachers of Nagaland & Manipur

Bhubaneswar Centre- For the Hindi Teachers of Orissa and Chhattisgarh

Ahmedabad Centre- For the Hindi Teachers of Gujarat, Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli

4. अनुसंधानपरक कार्यक्रम

केंद्रीय हिंदी संस्थान का एक प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों को निरंतर अग्रसर करना है-

(i) हिंदी शिक्षण की अधुनातन प्रविधियों के विकास के लिए शोध

(ii) हिंदी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक व्यतिरेकी अध्ययन

(iii) हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान

(iv) हिंदी भाषा के आधुनिकीकरण और भाषा-प्रौद्योगिकी के विकास के उद्देश्य से अनुसंधान

(v) हिंदी का समाज भाषावैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन

(vi) प्रयोजनपरक हिंदी से संबंधित शोध कार्य

उपर्युक्त अनुसंधानपरक कार्यों के दौरान द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी शिक्षण सामग्री का निर्माण भी संस्थान द्वारा किया जाता है।

4. Research Oriented Programmes

One of the important objectives of the Sansthan is to focus on research works in the following areas-

(i) Research for the development of latest methodologies of Hindi teaching

(ii) Comparative & Contrastive study between Hindi Language and other Indian Languages

(iii) Fundamental and applied research in the field of Hindi language and Literature

(iv) Research for the development of language technology and Modernization of Hindi Languages

(v) Socio-Linguistics surveys and studies of Hindi

(vi) Research on Functional Hindi

The institute also develops suitable teaching materials for Hindi as a Second and Foreign language during these research oriented programmes.

5. शिक्षण सामग्री निर्माण और भाषा विकास

केंद्रीय हिंदी संस्थान शिक्षण-प्रशिक्षण और अनुसंधान के अलावा हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्य-पुस्तकों, कोश और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी सामग्री का निर्माण करता है-

(i) हिंदीतर राज्यों और जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों के लिए हिंदी शिक्षण सामग्री निर्माण

(ii) हिंदीतर राज्यों के लिए हिंदी के व्यतिरेकी व्याकरण एवं द्विभाषी अध्येता कोशों का निर्माण

(iii) विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण पाठ्यपुस्तकों का निर्माण

(iv) कंप्यूटर साधित हिंदी भाषा शिक्षण सामग्री का निर्माण

(v) दृश्य-श्रव्य माध्यमों से हिंदी शिक्षण संबंधी पाठ्य सामग्री का निर्माण

(vi) **हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के द्विभाषी/त्रिभाषी शब्दकोशों और लोक साहित्य ग्रंथों का निर्माण**

5. Teaching Material Production & Language Development

Apart from Teaching-Training & Research work Kendriya Hindi Sansthan develops material for Hindi Teaching with latest technique for the students of Non-Hindi States.

(i) Production of Hindi teaching materials for the schools of Non-Hindi States & Tribal areas.

(ii) Production of Contrastive Grammar of Hindi bi-lingual Learners' Dictionaries for Non-Hindi States.

(iii) Production of Hindi teaching books as a foreign language.

(iv) Production of computer based language teaching material.

(v) Production of Hindi Teaching material through Audio-visual method.

(vi) **Production of bilingual/trilingual dictionaries and Folk literature books of Hindi and other Indian languages**

(क) संस्थान प्रकाशन

संस्थान द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य, भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी अध्ययन, भाषा एवं साहित्य शिक्षण, कोश विज्ञान, द्विभाषी कोश आदि से संबद्ध विभिन्न विषयों पर उपयोगी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। अब तक 200 से अधिक पुस्तकें संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा चुकी है। साथ ही विभिन्न स्तरों एवं अनेक प्रयोजनों की पाठ्यपुस्तकों तथा अध्यापक निर्देशिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है।

- संस्थान द्वारा निम्नलिखित **08** त्रैमासिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है-

1. **गवेषणा***- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, हिंदी शिक्षण और आलोचना की मुख्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका
2. **संवाद पथ***- दिल्ली केंद्र की हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विषयक पत्रिका
3. **प्रवासी जगत***- प्रवासी हिंदी साहित्य और साहित्यकार-केंद्रित मुख्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका
4. **समन्वय पश्चिम***- पश्चिम भारत की भाषा-साहित्य-संस्कृति और हिंदी प्रचार-प्रसार पर केंद्रित अहमदाबाद केंद्र की पत्रिका
5. **समन्वय पूर्वोत्तर** - पूर्वोत्तर भारत की भाषा-साहित्य-संस्कृति और हिंदी प्रचार-प्रसार पर केंद्रित गुवाहाटी, शिलांग एवं दीमापुर केंद्रों की संयुक्त पत्रिका
6. **समन्वय दक्षिण** - दक्षिण भारत की भाषा-साहित्य-संस्कृति और हिंदी प्रचार-प्रसार पर केंद्रित हैदराबाद और मैसूर केंद्र की संयुक्त पत्रिका
7. **शैक्षिक उन्मेष** - शिक्षा संबंधी विषयों पर केंद्रित मुख्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका
8. **भावक** - साहित्य चिंतन एवं सर्जनात्मक लेखन संबंधी विषयों पर केंद्रित मुख्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका

(* अंकित पत्रिकाएँ यूजीसी केयर सूची में सम्मिलित)

- संस्थान का त्रैमासिक बुलेटिन - **संस्थान समाचार**
- इनके अतिरिक्त वार्षिक छात्र पत्रिकाओं - **हिंदी विश्व भारती** और **समन्वय** का प्रकाशन

हिंदीतर भाषाओं के अध्येता कोश एवं लोक साहित्य –

संस्थान के पूर्वोत्तर शिक्षण सामग्री निर्माण विभाग के नेतृत्व में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के द्विभाषी अध्येता कोशों का निर्माण किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त हिंदीतर भाषाओं के लोक साहित्य की श्रृंखला पर भी कार्य किया जा रहा है।

(A) Sansthan Publication

The Publication Division of Sansthan has published a number of books on various subjects such as Hindi Language and Literature, Applied Linguistics, Comparative and Contrastive linguistics, Language and Literature teaching, lexicography, bilingual dictionaries etc. More than 200 books have been published so for. Textbooks of multiple purposes at different levels and teacher guides have also been published.

- Sansthan is also publishing the following **08 quarterly journals-**

1. **Gaveshna***- A quarterly journal of applied linguistics, Hindi teaching and criticism published by headquarter.
2. **Samvad Path*** - A quarterly journal of Delhi Centre on Hindi journalism and mass communication.
3. **Pravasi Jagat***- A quarterly journal on Hindi diaspora Literature & Writers.
4. **Samanvay Paschim***- A quarterly journal, published by Ahmedabad regional center on various aspects of Hindi propagation along with language, literature & culture of western India.
5. **Samanvay Purvottar**- A quarterly journal, joint publication of Guwahati, Shillong and Dimapur centers on various aspects of Hindi propagation along with language, literature & culture of north-east India..
6. **Samanvay Dakshin**- A quarterly journal,joint publication of Hyderabad & Mysore centres on various aspects of Hindi propagation along with language, literature & culture of southern India.
7. **Shaikshik Unmesh** - A quarterly journal of headquarter on issues of education.
8. **Bhawak**- A quarterly journal on issues of literary thought and creative writing.

(*marked journals are included in UGC CARE list)

- Quarterly Bulleting of Sansthan- **Sansthan Samachar.**
- Apart for these, the annual students' magazines: **Hindi Vishva Bharti** and **Samanvay** are also published.

Learners' Dictionaries & Folk literatures of Non-Hindi Languages -The department of Teaching Material Production for North-East is preparing bi-lingual learners' dictionaries between Hindi and other Indian languages.

Besides that, a series of folk literatures of Non-Hindi languages is also under course.

प्रकाशित अध्येता कोश -

1. हिंदी-कॉकबरक (त्रिपुरा), 2. हिंदी-मिजो (मिज़ोरम), 3. हिंदी-निशी (अरुणाचल प्रदेश), 4. हिंदी-खासी (मेघालय), 5. हिंदी-गारो (मेघालय), 6. हिंदी-मणिपुरी (मणिपुर), 7. हिंदी-नेपाली (सिक्किम), 8. हिंदी-ओड़िआ (ओड़िशा), 9. हिंदी-असमिया (असम), 10. हिंदी-बल्ती (जम्मू-कश्मीर), 11. हिंदी-भूटिया (सिक्किम), 12. हिंदी-लेप्चा (सिक्किम), 13. हिंदी-लिम्बू (सिक्किम), 14. हिंदी-राई (सिक्किम), 15. हिंदी-जेलियांग (नागालैंड), 16. हिंदी-डोगरी (जम्मू-कश्मीर), 17. हिंदी-भीली (मध्य प्रदेश), 18. हिंदी-कॉकबरक पुनः प्रकाशित(त्रिपुरा), 19. हिंदी-सौराष्ट्री(गुजरात), 20. हिंदी-सुरती (गुजरात), 21. हिंदी-पट्टणी (गुजरात), 22. हिंदी-चरोतरी (गुजरात), 23. हिंदी-मोनपा (अरुणाचल प्रदेश), 24. हिंदी-नोक्ते (अरुणाचल प्रदेश), 25. हिंदी-आदी (अरुणाचल प्रदेश) , 26. हिंदी-सिंग्फो (अरुणाचल प्रदेश), 27. हिंदी-सिंधी, 28. हिंदी-तेलुगु (आंध्रप्रदेश, तैलंगाना), 29. हिंदी-कोंकणी (गोवा), 30. हिंदी-मलयालम (केरल), 31. हिंदी-सेमा (नागालैंड), 32. हिंदी-गालो (अरुणाचल प्रदेश), 33. हिंदी-पंजाबी (पंजाब), 34. हिंदी-राभा (असम), 35. हिंदी-जयंतिया (मेघालय), 36. हिंदी-कन्नड़ (कर्नाटक), 37. हिंदी-शीना (जम्मू-कश्मीर), 38. हिंदी-जमातिया (त्रिपुरा), 39. हिंदी-तागिन (अरुणाचल प्रदेश), 40. हिंदी-मिशमी (अरुणाचल प्रदेश), 41. हिंदी-तमिल (तमिलनाडु), 42. हिंदी-गुजराती (गुजरात), 43. हिंदी-मराठी (महाराष्ट्र), 44. हिंदी-बांग्ला (बंगाल), 45. हिंदी-कुमाउनी (उत्तराखंड) 46. हिंदी,खासी, गारो, निशी एवं अंग्रेजी (पाँच भाषाओं हेतु पॉकेट शब्दकोश)

05 कोश प्रकाशनाधीन –

1. हिंदी-मिसिंग (असम), 2. हिंदी-बोरो/बोड़ो (असम) 3. हिंदी-निकोबारी (अंडमान-निकोबार), 4. हिंदी-संताली (झारखंड), 5. हिंदी-गढ़वाली (उत्तराखंड)

प्रस्तावित कोश –

हिंदी-गूजरी, हिंदी-आका, हिंदी-फिजी आदि

हिंदीतर भाषाओं का लोक साहित्य –

पूर्वोत्तर एवं हिंदीतर लोक साहित्य परियोजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर एवं हिंदीतर भारत की 83 भाषाओं/ बोलियों के लोक साहित्य पर आधारित हिंदी पुस्तकों का निर्माण जारी।

मिजो, मणिपुरी, कॉकबरक, बोरो, डोगरी, पंजाबी, मोनपा लोक साहित्य की 07 पुस्तकें प्रकाशित।

तागिन, जमातिया, मालवी, निशी लोक साहित्य की 04 पुस्तकें प्रकाशनाधीन।

नोक्ते, गालो, सिंग्फो, आदी, गारो, भूटिया, असमिया, बघेली, भीली, गोंडी, मराठी, संभलपुरी, ओडिया और गुजराती 14 भाषाओं/बोलियों के लोक साहित्य पर कार्य जारी।

Published Learners' Dictionaries -

1. Hindi-Kakbark (Tripura), 2. Hindi-Mizo (Mizoram), 3. Hindi-Nishi (Arunachal Pradesh), 4. Hindi-Khasi (Meghalaya), 5. Hindi-Garo (Meghalaya), 6. Hindi-Manipuri (Manipur), 7. Hindi-Nepali (Sikkim), 8. Hindi-Odia (Odisha), 9. Hindi-Assamese (Assam), 10. Hindi-Balti (J&K), 11. Hindi-Bhutia (Sikkim), 12. Hindi-Lepcha (Sikkim), 13. Hindi-Limbu (Sikkim), 14. Hindi-Rai (Sikkim), 15. Hindi-Zeliang (Nagaland), 16. Hindi-Dogri (J&K), 17. Hindi-Bheeli (Madhya Pradesh), 18. Hindi-Caucus Republished (Tripura), 19. Hindi-Saurashtra (Gujarat), 20. Hindi-Surti (Gujarat), 21. Hindi-Pattani (Gujarat), 22. Hindi-Charotri (Gujarat), 23. Hindi-Monpa (Arunachal Pradesh), 24. Hindi-Knocke (Arunachal Pradesh), 25. Hindi-Adi (Arunachal Pradesh), 26. Hindi-Singfo (Arunachal Pradesh), 27. Hindi-Sindhi, 28. Hindi-Telugu (Andhra Pradesh, Tailangana), 29. Hindi-Konkani (Goa), 30. Hindi-Malayalam (Kerala), 31. Hindi-Sema (Nagaland), 32. Hindi-Galo (Arunachal Pradesh), 33. Hindi-Punjabi (Punjab), 34. Hindi-Rabha (Assam), 35. Hindi-Jayantia (Meghalaya), 36. Hindi-Kannada (Karnataka), 37. Hindi-Sheena (J&K), 38. Hindi-Jamatia (Tripura), 39. Hindi-Tagin (Arunachal Pradesh), 40. Hindi-Mishmi (Arunachal Pradesh), 41. Hindi-Tamil (Tamil Nadu), 42. Hindi-Gujarati (Gujarat), 43. Hindi-Marathi (Maharashtra), 44. Hindi-Bangla (Bengal), 45. Hindi-Kumauni (Uttarakhand) 46. Hindi, Khasi, Garo, Nishi and English (Pocket Dictionary for Five Languages)

05 Dictionary Under Publication –

1. Hindi-Missing (Assam), 2. Hindi-Boro/Bodo (Assam), 3. Hindi-Nicobari (Andman and Nicobar), 4. Hindi-Santali (Jharkhand), 5. Hindi-Garhwali (Uttarakhand)

Proposed Dictionary -

Hindi-Gujri, Hindi-Aka, Hindi-Fiji etc.

Folk Literature of Non Hindi Languages -

Under the project for preparation of volumes on Folk literature of North-East and Non-Hindi Languages, total 83 volumes are to be prepared. **07 volumes on Mizo, Manipuri, Kakbarak, Boro, Dogri, Punjabi, Monpa folk literature have been published** and 04 books on Tagin, Jamatia, Malwi and Nyishi folk literature are in press, while work on folk literature of 14 languages/dialects, i.e.: Nokte, Galo, Singfo, Adi, Garo, Bhutia, Assamese, Bagheli, Bhili, Gondi, Marathi, Sambhalpuri, Odia and Gujarati is under progress.

(ख) प्रमुख परियोजनाएँ

i. हिंदी कॉर्पोरा परियोजना-

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की प्रकाशित पुस्तकों के माध्यम से हिंदी कॉर्पोरा परियोजना के अंतर्गत तीन करोड़ से ऊपर शब्दों का संकलन किया गया है। इस संकलित सामग्री का उपयोग करते हुए संस्थान द्वारा 02 पुस्तकें : ***हिंदी का आधारभूत शब्दावली*** और ***हिंदी क्रिया विशेषण शब्दकोश*** प्रकाशित हुई हैं।

ii. भाषा-साहित्य सी.डी. निर्माण परियोजना-

हिंदी के सर्जनात्मक वैभव को हिंदी शिक्षार्थियों और हिंदी प्रेमी आम जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस परियोजना के अंतर्गत साहित्यकारों के जीवन और कृतित्व पर आधारित ऑडियो, वीडियो कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, अज्ञेय, त्रिलोचन और फिराक गोरख़पुरी** की रचनाओं पर आधारित 04 ऑडियो सी.डी. तैयार की गई हैं। महादेवी वर्मा के जीवन और कृतित्व पर आधारित वीडियो वृत्तचित्रः **पंथ होने दो अपरिचित** और नज़ीर अकबराबादी के जीवन और कृतित्व पर आधारित वीडियो वृत्तचित्र: **आदमीनामा** का निर्माण किया गया है।

iii. हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना –

इस परियोजना में हिंदी परिवार की 18 प्रमुख लोकभाषाओं के त्रिभाषी शब्दकोशों का निर्माण किया जा रहा है। इस श्रृंखला का पहला शब्दकोश *भोजपुरी-हिंदी अंग्रेज़ी लोक शब्दकोश* प्रकाशित है। ब्रजभाषा और राजस्थानी के कोश प्रेस में हैं। अंवधी और बुंदेली कोश पर कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ी, गढ़वाली, हरियाणवी के लिए आरंभिक शब्द संकलन किया जा चुका है।

iv. हिंदी विश्वकोश परियोजना –

इस परियोजना के अंतर्गत ज्ञान-विज्ञान के प्रमुख विषय क्षेत्रों से संबंधित 16 खंडों में हिंदी विश्वकोश का निर्माण किया जा रहा है। अब तक विश्वकोश के 3 खंड - गणित, पृथ्वी एवं भूगोल एवं विज्ञान प्रकाशित हो चुके हैं। 4 खंड - समाज एवं जीवन, इतिहास, जनसंचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी शीघ्र प्रकाश्य है और शेष खंडों का कार्य प्रगति पर है।

विश्वकोश के खंड निम्नलिखित हैं -

(i) पृथ्वी एवं भूगोल, (ii) गणित, (iii) विज्ञान, (iv) सूचना एवं प्रौद्योगिकी, (v) स्वास्थ्य एवं उपचार, (vi) इतिहास, (vii) धर्म एवं दर्शन, (viii) कला और संगीत, (ix) साहित्य, (x) भाषाविज्ञान, (xi) खेलकूद एवं मनोरंजन, (xii) समाज एवं जीवन, (xiii) जनसंचार, (xiv) भारतीय उपचार एवं योग पद्धति (आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति, प्राकृतिक उपचार एवं योग), (xv) मनोविज्ञान, (xvi) प्रबंधन।

(B) Leading Projects

i. Hindi Corpora Pariyojna:

Sasnthan in collaboration with CIIL, Mysore has developed a Corpus of more than 30 million Hindi words with the help of published books of Hindi in various areas. Sasnthan has published 02 books, i.e.: ***Hindi Ki Adharbhut Shabdavali*** (2008) & ***Hindi Kriya Visheshan Shabdkosh*** (2009) by using this material.

ii. Bhasha-Sahitya C.D. NirmanPariyojna:

Under this project educational audio- video programmes are prepared for Hindi learners and people, interested to explore the creative sphere of Hindi. 04 Audio programmes on **Surya Kant Tripathi 'Nirala', Agyeya, Trilochan & Firak Gorakhpuri** have been prepared. 02 educational documentary films titled: **Panth Hone Do Aparichit** (on the life and works of Mahadevi Verma) and **Aadaminama** (on the life and works of Nazir Akbarabadi) have been produced.

iii. Hindi Lok Shab Kosh Pariyojna:

Under this project, trilingual dictionaries of major 18 dialects of Hindi are to be prepared. Under the series, *Bhojpuri-Hindi-English Lok Shabd Kosh* has been published. Dictionaries of Brijbhasha & Rajashthani are in press while Awadhi & Bundeli dictionaries are under preparation. Besides that, initial data collection for Chhattisgarhi, Garhwali, and Hariyanavi is done.

iv. Hindi Vishwa Kosh Pariyojna –

Under this project, a multi volume Hindi Encyclopedia on 16 major subject fields of knowledge & science is being prepared. At present, 03 volumes on Mathematics, Earth & Geography and Science are published. 04 volumes on Society & Life, History, Mass communication and Information Technology will be published very soon. Work on rest volumes is under progress.

Volumes of the Encyclopaedia are as follows:

(i) Earth and Geography, (ii) Mathematics, (iii) Science, (iv) Information Technology, (v) Health & Treatment, (vi) History, (vii) Religion & Philosophy, (viii) Art & Music, (ix) Literature, (x) Linguistics, (xi) Sports and Entertainment, (xii) Society & Life, (xiii) Mass Communication, (xiv) Indian System of Treatment & Yoga (Ayurvedic Systems of Medicine, Natural Remedies & Yoga), (xv) Psychology, (xvi)

(ख) नई स्वीकृत परियोजनाएँ

- **हिंदी विद्वान डाटाबेस** –देश विदेश में सक्रिय हिंदी विद्वानों और उनके रचनात्मक/ अकादमिक कार्यों की जानकारी का ऑनलाइन डाटाबेस
- **हिंदी भाषा सेतु** – हिंदी एवं भारतीय/ विदेशी भाषाओं में परस्पर उपलब्ध अनुवाद कार्यों और उनके अनुवादकों की जानकारी का ऑनलाइन स्थल
- **ऑनलाइन हिंदी शिक्षण** – द्वितीय एवं विदेशी भाषा के रूप में आधारभूत और विशिष्ट प्रयोजनमूलक ऑनलाइन हिंदी शिक्षण का पोर्टल
- विदेशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन और पत्रिका प्रकाशन के लिए सहायता
- हिंदी विद्वानों/ लेखकों/ हिंदी सेवियों की स्मृतियों का संरक्षण
- आपातकालीन चिकित्सीय स्थिति में साहित्यकारों को आर्थिक सहायता

(B) Newly approved Projects

- **Hindi Vidwan Database** – Online database of information of Hindi scholars active in the country and abroad and their creative/creative works.
- **Hindi Bhasha Setu** – Online information hub of translation works in Hindi & Indian/Foreign language in vice-versa mode along with the information of their translators.
- **Online Hindi Teaching** – Portal for online teaching of Hindi as second and foreign language at basic and advanced level.
- Support for organizing programmes/workshops and publishing magazines under the Propagation of Hindi Abroad scheme.
- Preservation of valuable memories related to Hindi scholars/ authors/ devoted dignitaries.
- Financial assistance to litterateurs in emergency medical condition

6. विस्तारपरक कार्यक्रम

(i) संस्थान के मुख्यालय सहित विभिन्न केंद्रों में संपर्क, समन्वयन और वैचारिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से **विशेष विस्तार व्याख्यान** एवं **कार्यशालाओं** का आयोजन।

(ii) संस्थान के विभिन्न केंद्रों और मुख्यालय में हर साल अखिल भारतीय संवाद एवं व्यापक भाषाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष **भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य, हिंदी शिक्षण, पत्रकारिता, भाषा प्रौद्योगिकी, मीडिया** आदि पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन।

(iii) हिंदीतर भाषी राज्यों के हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं प्रचार संस्थाओं के छात्राध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष अखिल भारतीय **हिंदी वाद-विवाद, निबंध लेखन एवं कविता आवृत्ति** प्रतियोगिताओं का आयोजन।

(iv) विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन-काव्य आवृत्ति, काव्य संगीत, प्रादेशिक एवं विश्व के विभिन्न देशों के लोक संगीत, नृत्य एवं लघु नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन।

(v) संस्थान मुख्यालय आगरा एवं इसके आठ केंद्रों द्वारा वहाँ के क्षेत्रीय महाविद्यालयों के सहयोग से लघु बजटीय संगोष्ठियों का आयोजन।

(vi) स्थानीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी शिक्षण संस्थाओं का सहयोग।

6. Extension Programmes

(i) To organize **Special Extension Lectures** and **Workshops** in view of contact, co-ordination and exchange of ideas at the Headquarter and its centers.

(ii) To organize National Seminars on **Linguistics, Hindi Literature, Hindi Teaching, Journalism, Language Terminology, Media** etc. at the Headquarter and its centers every year for greater linguistic and cultural exchange at all India level.

(iii) To organize All India **Hindi debate, Essay writing and Poetry recitation Competition** for trainees of the Hindi Teaching Training Colleges and propagation Institute of Non-Hindi State.

(iv) To organize cultural competition such as folk music, dance and short play of various regions and countries of the world for the students.

(v) To organize small budgetary seminars by the Headquarter and at its centers with the support of regional colleges.

(vi) To help out the town official language implementation committee and other Hindi teaching institutions.

7. हिंदी सेवी सम्मान योजना

यह योजना सन् 1989 में प्रारंभ हुई। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के उन्नयन, विकास एवं प्रचार-प्रसार

7. Hindi Sevi Samman Yojana

The scheme was launched in 1989. Under this scheme, 26 dedicated scholars are awarded by Sansthan every year with

हेतु उत्कृष्ट कार्यों के लिए हर वर्ष 26 समर्पित विद्वानों को संस्थान द्वारा पाँच लाख रूपए, शॉल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित/पुरस्कृत किया जाता है। इन पुरस्कारों का विवरण निम्न प्रकार है-

(i) गंगाशरण सिंह पुरस्कार (प्रतिवर्ष 4)
(ii) गणेशशंकर विद्यार्थी पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(iii) आत्माराम पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(iv) सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(v) महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(vi) डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2 विद्वान)
(vii) पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(viii) सरदार वल्लभ भाई पटेल पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(ix) दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(x) स्वामी विवेकानंद पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(xi) पंडित मदनमोहन मालवीय पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)
(xii) राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन पुरस्कार (प्रतिवर्ष 2)

वर्ष 2017 तक के कुल 451 विद्वान पुरस्कृत

8. पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण और हिंदी साहित्य के विभिन्न विषयों की पुस्तकों के विशेषीकृत संग्रह की दृष्टि से हिंदी के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है। इसमें 78000 से अधिक पुस्तकें व 2100 से अधिक सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। लगभग 75 पत्रिकाएँ (शोध एवं अन्य) पुस्तकालय में हर महीने आती हैं। इसका नया संदर्भ प्रभाग अद्वितीय है। कवि/लेखकों की जन्म जयंती पर साहित्यिक परिचर्चा और सप्ताहव्यापी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। समस्त केंद्रों पर भी पुस्तकालय एवं वाचनालय की अच्छी व्यवस्था है।

9. प्रबंधन

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 1961 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन है जो *केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल* द्वारा संचालित है।

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के अध्यक्ष पदेन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री महोदय होते हैं। इसके एक उपाध्यक्ष एवं सचिव होते हैं।

संस्थान के निदेशक मंडल के पदेन सचिव होते हैं। वही संस्थान के प्रमुख भी होते हैं।

निदेशक के अधीन विभिन्न विभागाध्यक्ष, केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशक, कुलसचिव, उप कुलसचिव, लेखाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन एवं शैक्षिक), परीक्षा नियंत्रक, प्रकाशन प्रबंधक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष होते हैं जिनके माध्यम से प्रशासन एवं शैक्षिक कार्यालय संपन्न होते हैं। इन सबके साथ पर्याप्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कर्मचारी नियुक्त हैं।

Rs. 5 lakh, a shawl and plaque for their contribution in development, promotion & propagation of Hindi at national and International level. The details of these awards are as follows:

(i) Ganga Sharan Singh Award (4 Per Year)
(ii) Ganesh Shankar Vidyarthi Award (2 Per Year)
(iii) Atmaram Award (2 Per Year)
(iv) Subramanya Bharti Award (2 Per Year)
(v) Mahapandit Rahul Sankrityayan Award (2)
(vi) Dr. George Grierson Award (2 Per Year)
(vii) Padmabhushan Dr. M. Satya Narayan Award (2 Per Year)
(viii) Sardar Ballabh Bhai Patel Award (2 Per Year)
(ix) Deendayal Upadhjyay Award (2 Per Year)
(x) Swami Vivekanand Award (2 Per Year)
(xi) Pt. Madan Mohan MalviyaAward (2 Per Year)
(xii) Rajarshi Purushottam Das TandanAward (2 Per Year)

Total 451 scholars have been awarded till 2017.

8. Library

KHS has one of the best specialized collections of books on Linguistics, Applied Linguistics, Language Teaching and Hindi Literature. The Library has a collection of 75000 books, 2000 hard bound journals and about 75 journals (research and others) are purchased to library every month. The reference section of library is exclusive. A week long exhibition and literary discussion is conducted on the birth anniversary of the poets/authors. All the Regional centers have also good arrangement of library and reading room.

9. Management

KHS, Agra was established in 1961 is an autonomous organization under the Ministry of Education, Govt. of India. It is governed by *Kendriya Hindi Shikshan Mandal*.

Hon'ble Cabinet Minister of the Ministry of Education is the Ex-officio Chairman of KHSM. The Mandal has a Vice chairman and Secretary. The Director of KHS is the Ex-officio Secretary of KHSM as well as the Head of the Institute.

Various HODs, Regional Directors of centers, Registrar, Deputy Registrar, Accounts Officer, Administrative Officer (Academic & Administration), Controller of Exams, Publication Manager and Librarian work under the Director and perform their relevant duties. Sufficient strength of assistants both in academic and administrative group are appointed with them.

10. संस्थान परिसर

केंद्रीय हिंदी संस्थान मुख्यालय आगरा का **मुख्य भवन, गाँधी भवन, अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार, मोटूरि सत्यनारायण छात्रावास, प्रेमचंद छात्रावास, महादेवी वर्मा अंतरराष्ट्रीय महिला छात्रावास** एवं **सुभद्रा कुमारी चौहान छात्रावास** संस्थान परिसर में सुचारु व्यवस्था के साथ स्थित हैं। इसके अलावा **अतिथि गृह** और संस्थान कर्मियों के लिए **आवासीय परिसर** की व्यवस्था है। मुख्यालय के अलावा इस समय दिल्ली, मैसूर और हैदराबाद केंद्र भी अपने नवनिर्मित भवनों में संचालित किए जा रहे हैं। शिलांग केंद्र का भवन निर्मित हो चुका है।

11. संस्थान से संबद्ध प्रशिक्षण महाविद्यालय

हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण के स्तर को समुन्नत करने तथा पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के उद्देश्य से अहिंदी भाषी राज्यों के उत्तर गुवाहाटी (असम), आइजोल (मिजोरम), दीमापुर (नागालैंड) के राजकीय हिंदी शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालयों को संस्थान से संबद्ध किया गया है। इन महाविद्यालयों में संस्थान का पाठ्यक्रम प्रयोग किया जाता है।

12. भावी योजनाएँ

- **संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का विस्तार:** कोलंबो (**श्रीलंका**) में केंद्रीय हिंदी संस्थान का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। वर्तमान में यह पाठ्यक्रम एसवीसीसी, कोलंबो और कैंडी केंद्र पर संचालित है। **नान्गरहर विश्वविद्यालय (जलालाबाद), अफ़गानिस्तान** में संस्थान द्वारा निर्मित बी.ए. का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। इसी प्रकार के हिंदी शिक्षण पाठ्यक्रम रूस (मॉस्को) सहित विश्व के कुछ अन्य देशों में भी आरंभ करने की योजना।
- **नये पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति:** संस्थान मुख्यालय और विभिन्न केंद्रों पर कुछ नये दक्षतापरक पाठ्यक्रम आरंभ करने की कार्य योजना। शिक्षण पद्धति एवं प्रविधि की गुणवत्ता, नये तकनीकी संसाधनों के उपयोग के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की योजना।
- विश्व भर में स्थित भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों पर संस्थान की गतिविधियों को प्रारंभ करने पर विचार।
- विश्व के कुछ देशों में हिंदी पीठ तथा भारत के विभिन्न राज्यों में नये केंद्र स्थापित करने की योजना।
- संस्थान के सभी प्रमुख पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार अनिवार्य **हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण** का समावेश। अधुनातन तकनीक पर आधारित **हिंदी शिक्षण** एवं **ऑनलाइन हिंदी शिक्षण** की योजना पर कार्य शुरु।
- संस्थान के विभिन्न केंद्रों में **भाषा प्रयोगशाला और स्मार्ट कक्षा-कक्ष** स्थापित करने की योजना।

10. Campus of the Sansthan

The Headquarter of KHS, Agra is situated at Agra. **Main Building, Gandhi Bhawan, Atal BihariVajpeyee International Audotorium, MotoriSatya Narayan Hostel, Premchand Hostel, MahadeviVerma International Women's Hostel** and **SubhadraKumariChauhan Hostel**are well managed. Besides it there is a **Guest House** and **Residential Quarters** for the employees of the Institute. In addition to the Head Quarter, Delhi, Mysoreand Hyderabad centers are being run in newly constructed building at present.New buildings of Shillong centers is also complete.

11. Training Colleges affiliated to the Sansthan

In order to improve the level of Hindi teaching training and bring uniformity in the course structure, the Hindi Teacher Training Colleges of North Guwahati (Assam), Aizol (Mizoram), and Dimapur (Nagaland) are affiliated to the Institute. The courses of Sansthan are being used in these colleges.

12. Future Plans:

- **Expansion of Academic Programmes of the Sansthan:** Colombo (Sri Lanka) started the course of Kendriya Hindi Sansthan since 2007-08. Presently this course is being run at SVCC, Colombo and Candy Center. The Institutes developed B.A. course has also been started at **Nangarhar University, Jalalabad, Afghanistan** since 2007-08. There is a plan to develop similar kind of Hindi Teaching Programmes in Russia (Moscow) and some other countries of the world.
- **Initiation of New Courses:** Initiation of new vocational courses at Head Quarter and different centers of the Sansthan are under process. There is also a plan of R&D for developing the Quality of teaching techniques and methodologies, the use of new technological resources.
- Sansthan is planning to start its activities at the various Indian cultural Centers all over the world.
- Plan to establish Hindi Chairs in various countries of the world and new center in different states of India.
- All the major courses of the Sansthan are to be included mandatory with Computer Training in Hindi. Work has been started to equip Hindi Teaching with latest technique and to develop Online Hindi Teaching.
- To establish Language Laboratories and smart class rooms at Various Centres.

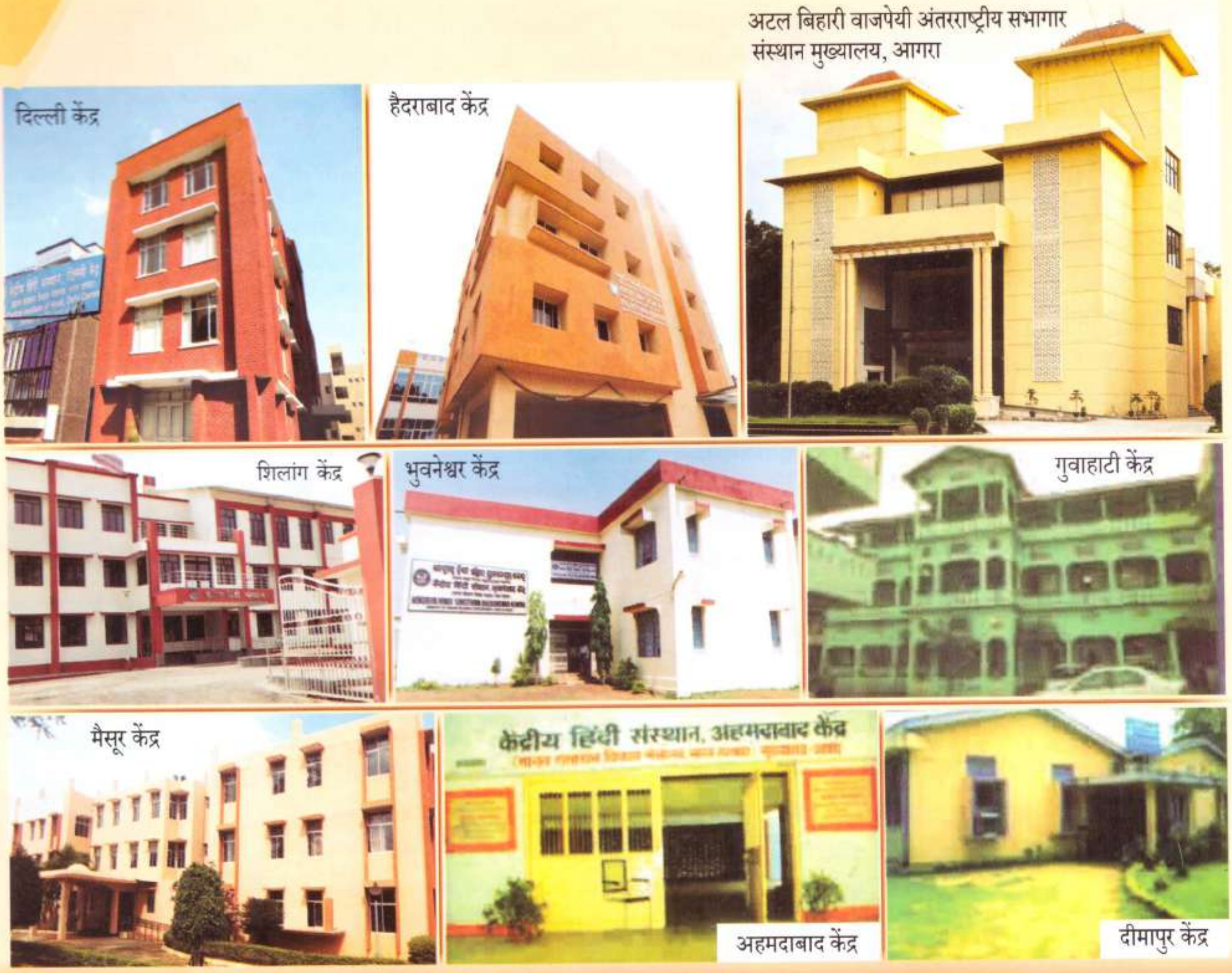

मुख्यालय : **केंद्रीय हिंदी संस्थान**

हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282005 (भारत)

Headquarter : **CENTRAL INSTITUTE OF HINDI**

Hindi Sansthan Marg, Agra-282005 (India)

क्षेत्रीय केंद्र : दिल्ली | हैदराबाद | गुवाहाटी | शिलांग | मैसूर | दीमापुर | भुवनेश्वर | अहमदाबाद

Regional Centres : Delhi | Hyderabad | Guwahati | Shillong | Mysore | Dimapur | Bhubaneswar | Ahmedabad

वेबसाइट/ Website : www.khsindia.org

ई-मेल/ e-mail : directorkhs1960@gmail.com | registrarofficekhs1960@gmail.com